CBSE Test Paper 02
अपठित गद्यांश

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

   सड़क मार्ग से हम आगे बढ़े और सरयू पुल पर से बस्ती जिले की सीमा में प्रवेश किया। हमारा पहला पड़ाव कुशीनगर था मगर हम कुछ देर मगहर में रुके जो कबीर की निर्वाण भूमि है मगर लोगों की फिरकापरस्ती ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया है और उन्हें मंदिर और मकबरे में बाँट दिया है। मठ के महंत ने हमारे भोजन की व्यवस्था की और आस-पास के स्कूल और कॉलेज की लड़कियों से मुलाकात भी कराई। उनसे बातचीत कर के हमने जाना कि अब स्थितियाँ बदल गई हैं अब लड़कियों की पढ़ाई और नौकरी पर ध्यान दिया जाता है मगर उनमें सामाजिकता का लोप सा हो गया है अब ब्याह और मरनी-हरनी में एका नजर नहीं आता। गीतों की बात चली तो वहाँ मौजूद पचास-साठ लड़कियों में से किसी को भी लोकगीत याद नहीं थे।

   वहाँ से हम कुशीनगर पहुँचे। रात घिरने लगी थी मगर हम पंडरी गाँव के लोगों से मिले। कुशीनगर से लगभग बीस किलोमीटर होने पर भी यहाँ विकास का एक कण भी नहीं पहुँचा था मगर यहाँ के युवा सजग हैं, वे स्वप्रयास से स्कूल भी चलाते हैं। रात को हम बौद्ध मठ में ठहरे। यह मठ किसी शानदार विश्रामगृह से कम नहीं था। सुबह हम केसरिया गाँव गए। सामाजिक और पारिवारिक विघटन के इस दौर में एकमात्र संयुक्त परिवार वहाँ मिला। हमने उनसे बात की। उस परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला के पास तीज-त्योहार, गीत-गवनई की अनुपम थाती थी मगर उनसे सीखने वाला कोई नहीं था। नई पीढ़ी लोक संस्कृति से विरत थी।

   i. कबीर की निर्वाण भूमि कौन-सी है?
   ii. कबीर की किस मेहनत पर पानी फिर गया था?
   iii. वर्तमान में मगहर की स्थितियों में क्या बदलाव आ चुका है?
   iv. लेखक ने पंडरी गाँव की क्या विशेषता बताई?
   v. केसरिया गाँव में मिले एकमात्र संयुक्त परिवार के बारे में लेखक को क्या पता चला?

2. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

   जब तक मनुष्य के मन में संतोष नहीं होगा तब तक उसको सुख नहीं मिल सकेगा। हमें परस्पर प्रेम-भाव से रहना चाहिए। हमें स्वयं पर संयम और नियंत्रण रखना चाहिए। मनमानापन पशुओं का गुण है। मनुष्य तो सोच-समझकर देश और काल के अनुसार आचरण करता है। आप जानते हैं हजारीप्रसाद द्विवेदी जी ने बूढ़ा किसे कहा? नहीं, जरा सोचिए तो सही, उस समय हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं में सबसे बड़ा और आदरणीय कौन था? समझे आप, हाँ! यहाँ द्विवेदी जी ने पूरे आदर के साथ गांधीजी को ही बूढ़ा कहा है । गांधी जी की बातें लोगों को बहुत भाईं। वे उनके बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर निडर होकर चलने लगे परन्तु बहुत सारे लोग ऐसे भी थे जो उनके विचारों से भिन्न मत रखते थे। पर महात्मा जी ने अपनी विचारधारा से यह सिद्ध कर दिया कि जब तक हम अपने मन से अहिंसा और सत्य को नहीं अपनाएँगे तब तक मनुष्य का जीवन सार्थक नहीं होगा। गांधी जी के बताए रास्ते को अपने जीवन में उतारना मनुष्यता का पर्याय है।

i. स्वतंत्रता-आंदोलन के नेताओं में सबसे बूढ़े कौन थे?
ii. गद्यांश में मनमानापन किसका गुण माना गया है?
iii. मनुष्य कब तक सुखी नहीं हो सकता?
iv. गाँधी जी ने लोगों को किसका मार्ग दिखाया और लोगों पर उसका क्या प्रभाव पड़ा?
v. गाँधीजी के अनुसार मनुष्यों को जीवन कैसे सार्थक हो सकता है?

CBSE Test Paper 02

अपठित गद्यांश

Answer

1. i. कबीर की निर्वाण भूमि कुशीनगर के पास स्थित मगहर नामक स्थान है जहाँ के विषय में मान्यता थी कि वहाँ मरना अशुभ है| इसी मान्यता को गलत सिद्ध करने के लिए कबीरदास जी अपने अंतिम समय में काशी से मगहर आ गए थे।
   ii. लोगों को सांप्रदायिक भेदभाव से ऊपर उठाने के कबीर के प्रयास पर पानी फिर गया था और उनकी मृत्यु के बाद वे हिन्दू- मुस्लिम में बंट गए।
   iii. वर्तमान में वहाँ की स्थितियाँ बदल गई हैं, लड़कियों की पढ़ाई और नौकरी पर ध्यान दिया जाने लगा है लेकिन सामाजिक एकता का लोप होने लगा है, अब ब्याह और मरनी-हरनी में भी पहले जैसी एकता नजर नहीं आती।
   iv. कुशीनगर के अत्यंत निकट होने के बावजूद पंडरी गाँव में कोई विकास नहीं हुआ है लेकिन वहाँ के युवा सजग हैं और वे स्वप्रयास से स्कूल भी चलाते हैं अर्थात अगर वर्तमान सजग है तो भविष्य बेहतर अवश्य होगा।
   v. लेखक को पता चला कि उस संयुक्त परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला के पास तीज-त्योहार, गीत-गवनई के अनुपम धरोहर थी लेकिन नई पीढ़ी इसे सीखने में रुचि नहीं रखती थी अथवा उन रीति -रिवाजों और परम्पराओं का निर्वाह करने वाला कोई नहीं था।
2. i. स्वतंत्रता आन्दोलन के नेताओं में सबसे बड़ेऔर आदरणीय महात्मा गांधी जी थे जिन्हे हजारी प्रसाद द्विवेदी ने सबसे बूढ़ा कह कर संबोधित किया है।
   ii. गद्यांश में मनमानापन पशुओं का गुण माना गया है क्योंकि पशुओं में संयम और संतोष जैसे गुणों का अभाव होता है शायद इसीलिए उन्हें नियंत्रित करने की आवश्यकता होती है।
   iii. जब तक मनुष्य के मन में संतोष नहीं होगा तब तक वह सुखी नहीं हो सकता। अतः हमें स्वयं पर संयम और नियंत्रण रखना चाहिए। संतोष से ही सुख की उत्पत्ति होती है।
   iv. गाँधी जी ने लोगों को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। लोगों को यह मार्ग बहुत पसंद आया और वे निडर होकर उसका अनुसरण करने लगे जब कि कुछ लोगों ने इसका विरोध भी किया।
   v. गाँधीजी के अनुसार पूरे मन से सत्य और अहिंसा को जीवन में अपनाकर उस पर चलने वाले मनुष्यों का जीवन सार्थक हो सकता है। गाँधीजी के बताए रास्ते को अपने जीवन में उतारना मनुष्यता का पर्याय है।